

आदेश पत्रक - ता०.....से.....तक

जिला.....सं०....., सन् १९.....

केस का प्रकार.....

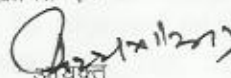
आदेश की क्रम संख्या कीस तारीख १	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर २	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख-सहित ३
	<p style="text-align: center;"><b>न्यायालय आयुक्त कोशी प्रमंडल, सहरसा</b></p> <p style="text-align: center;"><b>भूमि विवाद अपील वाद संख्या 56/2012</b></p> <p style="text-align: center;">मो० रिजवान एवं अन्य — अपीलार्थीगण वनाम बीबी रेहाना खातून — रेस्पण्डेन्ट</p> <p style="text-align: center;"><b>—:आदेश:—</b></p> <p>प्रस्तुत अपील वाद अपीलार्थीगण के द्वारा भूमि सुधार उप-समाहर्ता, सिमरीबख्तियारपुर के आदेश दिनांक: 04.01.2012 ई० अंदर वाद संख्या- 34/10 के विरुद्ध खिलाफ रेस्पण्डेन्ट्स के दाखिल किया गया है।</p> <p>वाद पुकारा गया। उभय पक्षों के विज्ञ अधिवक्ताओं को सुना तथा अभिलेख पर रक्षित कागजात का अवलोकन किया।</p> <p>प्रस्तुत अपीलवाद में अन्दर मौजा-सिटानाबाद, थाना नं० 11 अंचल: सिमरीबख्तियारपुर, जिला: सहरसा के खाता 645 खेसरा पुराना 2598, 2592 खेसरा नया 6565 एवं 6569 रकबा 1 कट्टा 03 धुर 15 धुरकी चौहददी उत्तर: इवराम, दखिण: मोहममद सहजीद, पूरब: सड़क वो खरीददार एवं पश्चिम: मो० नजीम वगैरह से संबंधित प्रश्नगत विवादी भूमि है।</p> <p>अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता अपने बहस के क्रम में कथन करते हैं कि पुराना खतियान खाता पुराना 645 का रैयत अमीर खों वो वजीर खों, पे०- नबीब खों थे जिनकी खेसरा पुराना 2292, 2593, 2594, 2595, 2597 एवं 2598 कुल 7 खेसरा अन्तर्गत कुल रकबा 02 बीघा 08 कट्टा थी जो नबीब खों के दोनों पुत्रों के बीच 01 बीघा 04 कट्टा करके प्रत्येक को हिस्सा मिला वो दखलकार हुए। वजीर खों के तीन लड़के मो० अदबीर, मो० साहेब, मो० हेदायत खों हुए जो वजीर खों को प्राप्त हिस्सा 1 बीघा 04 कट्टा पर हकदार वो दखलकार हुए। मो० अदबीर वो मो० साहेब वो मो० हेदायत भी आपस में विभक्त हो गए वो खेसरा 2592 वो 2598 अन्तर्गत 08 कट्टा जमीन मो० हिदायत के हक वो हिस्सा वो दखल में आया। मो० हिदायत के लड़के मो० कलीम वो मो० सहजीद वो मो० रज्जाक वो हकीम खेसरा 2592 वो 2598 की भूमि रकबा 08 कट्टा पर हकदार वो दखलकार हुए। मो० हिदायत के लड़के मो० कलीम खों वो अब्दुल रज्जाक खों ने केवाला नं० 16280 दिनांक 19.11.79 ई० को खाता पुराना 645 खेसरा पुराना 2592 खेसरा नया 6539 रकबा 04 डी० वो खेसरा नया 6538 रकबा 04 डी०</p>	

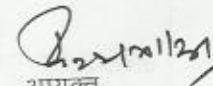
इजमाल खानदान में बिक्री कर दिये। उक्त दस्तावेज को निम्न न्यायालय द्वारा रेस्पोंडेन्ट/वादी के पिता के द्वारा की गयी बिक्री को नजर अन्दाज करते हुए सिर्फ अपीलार्थी/विपक्षी के बिक्रेता के पति वो पिता के द्वारा बिक्री करने की बात बताई गई, जिस आधार अपीलार्थी/विपक्षी के खरीदगी वो दखलकार के एराजी पर कानून के विपरीत आदेश पारित किया गया है।

अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता आगे यह भी कथन करते हैं कि अपीलार्थी/विपक्षी को मो० कलीम के पुत्र ने अपने हक वो हिस्से की जमीन रकबा ०१ कट्टा १३ धूर का जरबियानानामा दिनांक २८.०४.२०१० ई० को अपीलार्थी/विपक्षी के पक्ष में कर दिया वो सरजमीन पर दखल कब्जा दे दिया तथा जरबियानानामा के मुताबिक अपीलार्थी/विपक्षी ने केवाला नं० ८२८ दिनांक ०९.११.२०१० ई० केवाला दस्तावेज नं० ८६९ दिनांक १६.११.२०१० ई० से केवाला कराकर दाखिल खारीज करवा लिये। आगे यह भी कथन करते हैं कि उत्तरवादी/वादी ने केवाला दस्तावेज नं० ७०३४ दिनांक ०७.०५.२०१० ई० को मो० जाहिद हुसैन पिता मो० अब्दुल रज्जाक बहक बीबी रहेना खातुन ने ०१ कट्टा ०३ धूर १५ धूरकी अपने भाई से खरीद की। आगे यह भी कथन करते हैं कि उत्तरवादी/वादी के पिता ने १९७९ ई० में ही मो० कलीम के साथ मिलकर अपने हिस्से की जमीन बिक्री कर चुके थे वो शेष रकबा ही अपने बहन को बिक्री करना चाहिए था जिस साक्ष्य को निम्न न्यायालय ने पूर्णतया नजर अन्दाज करते हुए आदेश पारित किया है।

रेस्पोंडेन्ट के विज्ञ अधिवक्ता बहस के क्रम में कथन करते हैं कि प्रश्नगत भूमि के खतियानी रैयत मो० हेदायत खों के हिस्से में लगभग ०८ कट्टा जमीन थी वो वे अपने चार पुत्रों यथा मो० कलीम, मो० शहजीद, मो० रज्जाक एवं मो० हकीम में उक्त जमीन को बँट दिया वो प्रत्येक को लगभग २ कट्टा जमीन हिस्से में आयी। आगे कथन करते हैं कि रेस्पोंडेन्ट/वादी ने ०१ कट्टा ०३ धूर १५ धूरकी जमीन मो० जाहिद हुसैन से क्रय की। मो० रज्जाक के उत्तराधिकारी मो० जाहिद रेस्पोंडेन्ट/वादी को अपने हिस्से की जमीन विक्रय दस्तावेज संख्या ७०३४ दिनांक ०७.०५.२०१० से बिक्री कर दिया। बाद खरीदगी रेस्पोंडेन्ट/वादी उक्त जमीन पर शांतिपूर्ण दखलकार है। आगे यह भी कथन करते हैं कि इसके विरुद्ध मो० कलीम के उत्तराधिकारी ०१ कट्टा १३ धूर भूमि अपीलार्थी/विपक्षी को विक्रय दस्तावेज संख्या ८२८ दिनांक ०९.११.१० एवं ८६९ दिनांक १६.११.१० से बिक्री कर दिया। रेस्पोंडेन्ट के विज्ञ अधिवक्ता आगे यह भी कथन करते हैं कि अपीलार्थी/विपक्षी के बिक्रेता के हिस्से में मात्र ०१ कट्टा ०३ धूर जमीन बची, जिसे वे बेचने के अधिकारी थे परन्तु उनके द्वारा ०१ कट्टा १३ धूर जमीन बिक्री की गयी जिससे रेस्पोंडेन्ट के शांतिपूर्ण दखल में अशांति का कारण बना।

उभय पक्षों के विज्ञ अधिवक्ताओं को सुनने एवं अभिलेख पर रक्षित कागजात का अवलोकन से यह प्रतीत होता है कि निम्न न्यायालय द्वारा मामले की विस्तृत एवं सम्यक विवेचना करते हुए न्यायोचित आदेश पारित किया गया है। इसमें किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है। अस्तु अपील अस्वीकृत। इसी के साथ वाद निस्तारित किया जाता है।  
लेखापित एवं संशोधित।

  
आयुक्त  
कोशी प्रमंडल, सहरसा

  
आयुक्त  
कोशी प्रमंडल, सहरसा